न्यूज़ लेटर
उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो

जनवरी-2026

अन्दर के पृष्ठों पर........

- उपलब्धियाँ
- सराहनीय कार्य
- आगामी गतिविधियाँ
- कल्याणकारी कार्य

आदेश, गोष्ठी एवं भ्रमण

तकनीकी स्तम्भ

विविध

आशुतोष पाण्डेय्
आई.पी.एस.

पुलिस महानिदेशक, दूरसंचार,
उत्तर प्रदेश
उ0प्र0 पुलिस रेडियो मुख्यालय
महानगर, लखनऊ

नव वर्ष सन्देश-2026

नव वर्ष 2026 के पावन अवसर पर यह आवश्यक है कि हम वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो द्वारा किए गए उल्लेखनीय, समर्पित एवं प्रशंसनीय कार्यों का स्मरण करें तथा भविष्य के लिए नवीन संकल्प लें। बीते वर्ष महा कुम्भ मेला-2025 जैसे विश्वस्तरीय आयोजन में सुदृढ़, निर्बाध एवं अत्याधुनिक पुलिस संचार व्यवस्था की स्थापना कर मेले को सकुशल सम्पन्न कराया गया। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा पुलिस संचार व्यवस्था की खुले मंच से प्रशंसा किया जाना हम सभी के लिए गर्व का विषय रहा।

वर्ष-2025 में मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी ऐतिहासिक उपलब्धियाँ प्राप्त हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड से चयनित 120 कर्मशाला कर्मचारियों एवं 1374 सहायक परिचालकों की समस्त औपचारिकताएँ अल्प समय में पूर्ण कराते हुए, माननीय मुख्यमंत्री जी के करकमलों से नियुक्ति पत्र वितरण हेतु भव्य कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। कर्मशाला कर्मचारियों का 04 माह का प्रशिक्षण पूर्ण कर उन्हें जनपदों में तैनात किया गया, वहीं सहायक परिचालकों का प्रशिक्षण आगरा, प्रयागराज एवं झांसी के होमगार्ड प्रशिक्षण केन्द्रों तथा अमेठी स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के प्रशिक्षण केन्द्र में प्रारम्भ कराया गया।

प्रदेश में वीवीआईपी भ्रमण, मेलों, त्योहारों एवं संवेदनशील क्षेत्रें में संचार सुदृढ़ीकरण हेतु पुलिस रेडियो कार्मिकों ने अथक प्रयास किए। शेडो एरिया के चिन्हीकरण, लखनऊ जनपद में मैश रिपीटर के माध्यम से संचार उन्नयन तथा दूरस्थ थानों की संचार व्यवस्था को मजबूत किया गया। वीएचएफ आरटी संदेश प्रेषण में लगे कार्मिकों का मनोबल बढ़ाने हेतु लखनऊ में एफएम चैनल विशेषज्ञों द्वारा विशेष प्रशिक्षण भी कराया गया। बिहार विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2025 में पीएसी कंटीजेंट के साथ संचार उपकरणों की सफल स्थापना भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

ई-ऑफिस एवं मानव संसाधन पोर्टल का प्रदेश की सभी पुलिस रेडियो इकाइयों में संचालन प्रारम्भ कर प्रदेश पुलिस की प्रथम इकाई होने का गौरव अर्जित किया। उ0प्र0 पुलिस रेडियो स्थापना दिवस-2025 के अवसर पर आयोजित संवाद, परिचर्चायें एवं विचार मंथन विभाग को स्पष्ट दिशा प्रदान करने में अत्यन्त महत्वपूर्ण सिद्ध हुए।

स्टाफ की व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान हेतु वीडियो कान्फ्रेंसिंग, कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार, चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रकरणों का प्राथमिकता पर निस्तारण तथा गलत वेतन निर्धारण में सुधार जैसी कार्यवाहियाँ मानवतावादी दृष्टिकोण का प्रतीक रहीं।

नव वर्ष-2026 में हम सभी विभागीय हित, अनुशासन, तकनीकी दक्षता एवं जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए और अधिक समर्पण से कार्य करने का संकल्प लें। नव वर्ष सभी के लिए स्वास्थ्य, सफलता एवं नई ऊर्जा लेकर आए।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ.........जय हिन्द।

आशुतोष पाण्डेय्

सराहनीय कार्य

• निम्न महानुभावों के भ्रमण हेतु फ्लीट एवं अन्य स्थलों से निर्बाध संचार संचालन हेतु आधुनिक तकनीकी के डिजिटल वायरलेस सेट्स का अधिष्ठापन, ग्रिड अनुशासन का पालन करते हुए एवं अन्य केन्द्रों से भी इसका पालन कराते हुए रीयल टाइम में सूचनाओं का त्वरित एवं स्पष्टतापूर्वक प्रेषण करते हुए प्रत्येक गतिविधि को प्रारम्भ से अन्त तक पूर्ण जिम्मेदारी एवं दक्षता से कुशलतापूर्वक निष्पादित किया गया–

दिनांक	जनपद
मा0 प्रधानमंत्री, भारत	
25.12.2025	लखनऊ
मा0 राज्यपाल, उ0प्र0	
18.12.2025	अयोध्या
25.12.2025	फतेहपुर
26.12.2025	अयोध्या
मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0	
02.12.2025	वाराणसी
03.12.2025	गोरखपुर
04.12.2025	
06.12.2025	प्रयागराज, गाजियाबाद, नई दिल्ली
07.12.2025	आगरा, अलीगढ़, सहारनपुर
08.12.2025	मुरादाबाद, गाजियाबाद, आगरा, बरेली
09.12.2025	गोरखपुर
11.12.2025	आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी, बरेली
12.12.2025	बाराबंकी
19.12.2025	गोरखपुर
28.12.2025	
29.12.2025	

पुरस्कार/सम्मान

• दिनांक 28.12.2025 : गुरू गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कालेज, लखनऊ में रन ग्रीन फाउंडेशन द्वारा आयोजित "12 HR Stadium Run" में प्रधान परिचालक, श्री अमित सिंह द्वारा 31.25 किमी की दूरी मात्र 3 घण्टे 8 सेकेण्ड में पूरी कर तीसरा स्थान (कांस्य पदक) अर्जित किया गया है।

इससे पूर्व यह लखनऊ बीआरएम 200 किमी साइकिलिंग में भी शीर्ष स्थान प्राप्त कर चुके हैं।

सी0आर0यू0 का वार्षिक कार्य विवरण

• माह जुलाई–2025 से रेडियो मुख्यालय में ई–आफिस प्रणाली निरन्तर संचालित है। ई–आफिस के अन्तर्गत डाक प्राप्ति हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली लागू किये जाने के क्रम में सी0आर0यू0 का सृजन किया गया।

वर्तमान में वाह्य जनपदों, कार्यालयों, इकाईयों द्वारा रेडियो मुख्यालय को प्रेषित की जाने वाली समस्त प्रकार की डाक, सी0आर0यू0 के माध्यम से ही अग्रेतर कार्यवाही हेतु वरिष्ठ अधिकारियों/सम्बन्धित कार्यालयों को प्रेषित की जा रही है।

वर्ष–2025 में सी0आर0यू0 पर प्राप्त डाक का विवरण निम्नवत् है–1. बन्द लिफाफे –1005, खुले प्रपत्र–3492, सर्वर के माध्यम से प्राप्त ई–मेल–2090, इन्ट्रा–आफिस/रेडियो मेल/सीआरयू मेल आईडी के माध्यम से प्राप्त ई–मेल/सन्देश–8664, कुल योग–**24296**

रेडियो मुख्यालय द्वारा निर्गत आदेश/निर्देश

• सहायक रेडियो अधिकारी, कार्मिक के पत्र संख्या: आई–146/2021 दिनांक 06.12.2025 द्वारा जीवन बीमा योजना के अन्तर्गत दिनांक 15.01.2026 से पुन: नवीनीकरण के सम्बन्ध में पुलिस कर्मियों के कल्याणार्थ प्रचलित जीवन बीमा योजना में स्वेच्छा से प्रीमियम की धनराशि रू0 885/– प्रति कर्मी के माह दिसम्बर, 2025 के वेतन से काटे जाने के सम्बन्ध में सर्वसम्बन्धित को अवगत कराया गया।

• अपर राज्य रेडियो अधिकारी, साइफर के रेडियोग्राम संख्या: एआरओएम–210/4/2025 दिनांक 08.12.2025 द्वारा जनपद शाहजहॉपुर को 15अदद वीएचएफ स्टैटिक/मोबाइल सेट एवं 20 अदद हैण्डहैल्ड सेट दिनांक 11.12.2025 को रेडियो मुख्यालय से एकत्र करने हेतु निर्देशित किया गया है।

• अपर राज्य रेडियो अधिकारी, साइफर के रेडियोग्राम संख्या: एआरओएम–07 (बैट्स)/2025 दिनांक 09.12.2025 द्वारा सुचारू संचार व्यवस्था स्थापित कराये जाने के दृष्टिगत कुल 32 पीएसी वाहिनियों एवं मुख्यालय यूपीएसएसएफ, लखनऊ को उपलब्ध हैण्डहैल्ड सेटों के प्रयोगार्थ टीके270जी, जीपी338, आईकाम एफ3023, टीके2317 एवं टीके2170 माडल की कुल 2488 हैण्डहैल्ड सेटों की बैट्रियों को आवंटित किया गया है।

• महानिरीक्षक/निदेशक, पुलिस दूरसंचार, उ0प्र0 के पत्र संख्या: एआरओएम–12(वीवीआईपी)/2025 दिनांक 23.12.2025 द्वारा दिनांक 25.12.2025 को जनपद लखनऊ में मा0 प्रधानमंत्री, भारत सरकार के सम्पन्न भ्रमण कार्यक्रम हेतु सुदृढ़ संचार व्यवस्था हेतु श्री रवीन्द्र सिंह, उपमहानिरीक्षक, पुलिस दूरसंचार, पूर्वी जोन को नोडल अधिकारी नामित करते हुए उनके सहयोगार्थ श्री सुखवीर सिंह, अपर राज्य रेडियो अधिकारी, साइफर को नामित किया गया।

• महानिरीक्षक/निदेशक, पुलिस दूरसंचार, उ0प्र0 के पत्र संख्या: एआरओएम–12 (वीवीआईपी)/2025 दिनांक 23.12.2025 द्वारा दिनांक 24.12.2025 को जनपद आगरा में मा0 उप राष्ट्रपति, भारत सरकार के सम्पन्न भ्रमण कार्यक्रम हेतु सुदृढ़ संचार व्यवस्था हेतु श्री अमितराज, अपर राज्य रेडियो अधिकारी, आगरा जोन को नोडल अधिकारी नामित करते हुए उनके सहयोगार्थ श्री अमित पासवान,सहायक रेडियो अधिकारी, आगरा परिक्षेत्र को नामित किया गया।

• सहायक रेडियो अधिकारी, प्रशिक्षण के कार्यालय ज्ञाप संख्या: एम–525/2024 दिनांक 23.12.2025 द्वारा श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष (दिनांक 25.12.2024 से दिनांक 25.12.2025 तक) के अन्तर्गत कार्यक्रम के अनुक्रम में उनके योगदान को जन–जन तक पहुचाने के दृष्टिगत दिनांक 25.12.2025 को उ0प्र0 पुलिस दूरसंचार मुख्यालय स्थित पुलिस रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में व्याख्यान एवं काव्य गोष्ठी में विचार रखने हेतु अधीनस्थ कर्मियों के नाम उपलब्ध कराये जाने हेतु सर्वसम्बन्धित को अवगत कराया गया।

• सहायक रेडियो अधिकारी, ऑपरेशन के रेडियोग्राम संख्या: एआरओएम–207/1/2025 दिनांक 22.12.2025 द्वारा दिनांक 25.12.2026 को जनपद लखनऊ में सम्पन्न वीआईपी भ्रमण के दौरान सुदृढ़ संचार व्यवस्था हेतु सेट/उपकरण/रेडियो स्टाफ का निम्नानुसार आवंटन किया गया– 1. वीएचएफ डिजीटल हैण्डहैल्ड सेट–400 अदद।

• सहायक रेडियो अधिकारी, ऑपरेशन के रेडियोग्राम संख्या: एआरओएम–207/1/2025 दिनांक 27.12.2025 द्वारा दिनांक 29.12.2026 से दिनांक 31.12.2026 तक सम्पन्न प्रतिष्ठा द्वादशी एवं वीआईपी ड्यूटी के दौरान सुदृढ़ संचार व्यवस्था हेतु सेट/उपकरण/रेडियो स्टाफ का निम्नानुसार आवंटन किया गया– 1. वीएचएफ स्टैटिक/मोबाइल सेट– 110 अदद, 2. वीएचएफ हैण्डहैल्ड सेट–270 अदद एवं रेडियो स्टाफ–40

कर्मशाला कर्मचारियों की नवनियुक्ति

• राज्य रेडियो अधिकारी, प्रशासन के आदेश संख्याः टी-208/2025 दिनांक 30.12.2025 द्वारा कर्मशाला कर्मचारी सीधी भर्ती-2022 के अन्तर्गत अन्तिम चयनोपरान्त कर्मशाला कर्मचारियों को आधारभूत प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरान्त निम्नानुसार नियुक्ति प्रदान की गयी है- 1. कु0 सपना, झांसी, 2. श्री मनीष भाष्कर, अमरोहा, 3. कु0 अंजली राठौर, बुलंदशहर, 4. भूपेन्द्र चौधरी, मुजफ्फरनगर, 5. सचिन वर्मा, कुशीनगर, 6. शेष कुमार, बहराइच, 7. श्री तुषार सिरोही, फतेहगढ़, 8. शिवानी, सहारनपुर, 9. सुनील यादव, वाराणसी, 10. अर्जुन सिंह यादव, देवरिया, 11. अशोक कुमार यादव, कानपुर देहात, 12. रिचा मिश्रा, रायबरेली, 13. प्रदीप वर्मा, सिद्धार्थनगर, 14. रिशभ शुक्ला, लखनऊ, 15. विवेक कुमार सिंह, ललितपुर, 16. रोशनी गुप्ता, कानपुर देहात, 17. धनन्जय सिंह, झांसी, 18. सौरभ कुमार, बांदा, 19. अर्पित कुमार, रेडियो मुख्यालय, 20. महेश सिंह, गौतमबुद्धनगर, 21. सुशील कुमार, सहारनपुर, 22. तनुराज शर्मा, इटावा, 23. अंकित कुमार, बिजनौर, 24. सचिन, बरेली, 25. विपिन यादव, महाराजगंज, 26. अंकित कुमार सिंह, मीरजापुर, 27. पप्पू गुप्ता, गोण्डा, 28. सविता मौर्या, वाराणसी, 29. कसितु राठौर, फतेहपुर, 30. सचिन कुमार, हमीरपुर, 31. राजेश यादव, पीलीभीत, 32. विकास बाबू, हापुड़, 33. आनन्द कुमार, सुल्तानपुर, 34. कौशलेष चन्द्र सिंह, अयोध्या, 35. शालू गुप्ता, वाराणसी, 36. अर्जुन कुमार, भदोही, 37. विनय कुमार सिंह, रेडियो मुख्यालय, 38. केशव भटनागर, शाहजहापुर, 39. पुरूषोत्तम चौहान, मुरादाबाद, 40. मनोज गौतम, बागपत, 41. अवनीश कुमार मौर्या, बांदा, 42. रोहित सिंह, कन्नौज, 43. दीपक अहिरवार, चित्रकूट, 44. हर्षिका राय, कानपुर देहात, 45. वर्षा अहिरवार, फतेहपुर, 46. रोहित कुमार श्रीवास, ललितपुर, 47. ओमी शरण, फिरोजाबाद, 48. शिवम दुबे, महोबा, 49. कल्पना देवी, जालौन, 50. अंशुल कटियार, कौशाम्बी, 51. प्रशान्त कुमार, चित्रकूट, 52. रिशभ बाजपेयी, बदायू, 53. शोभित कुमार, खीरी, 54. अंतिम सिंह, प्रतापगढ़, 55. अंकित कुमार जायसवाल, जौनपुर, 56. शत्रोहन लाल, कासगंज, 57. सूरज तिवारी, जालौन, 58. सोनल अग्निहोत्री, अयोध्या, 59. निशा, इटावा, 60. वर्षा, फिरोजाबाद, 61. मीनू, सम्भल, 62. सागर कुमार, आगरा, 63. श्रीमती प्रियंका, अयोध्या, 64. धर्मेन्द्र पाल, महाराजगंज, 65. धीरज चौहान, शामली, 66. कु0 मानसी, मथुरा, 67. प्रभात शर्मा, गाजियाबाद, 68. रवि कुमार, बिजनौर, 69. ज्ञान प्रकाश यादव, सोनभद्र, 70. अंकिता यादव, बहराइच, 71. सूर्य प्रकाश पाण्डेय, श्रावस्ती, 72. पंकज कुमार, बलिया, 73. सुचित कुमार, गाजीपुर, 74. विनिता, हरदोई, 75. मो0 अनस, पीलीभीत, 76. अनुज कुमार, हरदोई, 77. सपना कुमारी, एटा, 78. शिवम शर्मा, अलीगढ़, 79. रंजना, बस्ती, 80. विमल कुमार वर्मा, सोनभद्र, 81. शशांक, झांसी, 82. विनोद कुमार यादव, सिद्धार्थनगर, 83. चन्द्रभान यादव, आजमगढ़, 84. राकेश कुमार वर्मा, अम्बेडकरनगर, 85. दिनेश यादव, गोरखपुर एवं 86. अखिलेश यादव, कुशीनगर।

पदोन्नति

• राज्य रेडियो अधिकारी, प्रशासन के आदेश संख्याः पी-567/2025 दिनांक 06.12.2025 द्वारा निम्न रेडियो उपनिरीक्षकों को रेडियो निरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी है- 1. ओम प्रकाश दुबे, गोण्डा, 2. राजेन्द्र प्रसाद यादव, गोण्डा, 3. नीरज गुप्ता, शामली, 4. सुशील कुमार शर्मा, रामपुर, 5. प्रमोद कुमार, एटा, 6. धर्म प्रकाश पाल, सम्भल, 7. राजीव कुमार, मुजफ्फरनगर, 8. आनन्द कुमार श्रीवास्तव, रेडियो मुख्यालय, 9. बद्री प्रसाद चतुर्वेदी, बाराबंकी, 10. प्रमोद कुमार सक्सेना, हमीरपुर, 11. रवि मणि द्विवेदी, सुरक्षा मुख्यालय, 12. महिपाल सिंह, गौतमबुद्धनगर, 13. जगदीश प्रसाद वर्मा, खीरी, 14. राजबाबू सिंह, इटावा, 15. चन्द्र प्रकाश मौर्या, यूपी-112, 16. रघुवीर सिंह, एटा, 17. चन्द्र कुमार त्रिपाठी, कन्नौज, 18. राज कुमार यादव, बलरामपुर।

• सहायक रेडियो अधिकारी, कार्मिक के आदेश संख्याः पी-568/2025 दिनांक 13.12.2025 द्वारा निम्न प्रधान परिचालक/प्रधान परिचालक यान्त्रिकों को रेडियो उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी है- 1. रविकान्त त्यागी, बिजनौर, 2. मिथलेश कुमार आर्य, श्रावस्ती, 3. राकेश कुमार, 10वीं वाहिनी पीएसी, 4. अनुपम यादव, आगरा, 5. नेम चन्द्र, अलीगढ़, 6. रफीक अहमद, मथुरा, 7. अखिलेश यादव, मऊ, 8. प्रदीप नारायण सिंह, फतेहपुर, 9. राजेश कुमार सिंह, सुल्तानपुर, 10. देवेन्द्र कुमार, बिजनौर, 11. जितेन्द्र कुमार, सहारनपुर, 12. तेजपाल, शामली, 13. महिपाल, बिजनौर, 14. प्रमोद कुमार, 08वीं वाहिनी पीएसी बरेली, 15. सुरेश कुमार, गाजियाबाद, 16. राम स्वरूप, महोबा, 17. चन्द्र प्रकाश, रेडियो मुख्यालय, 18. अरूण कुमार सिंह, मीरजापुर, 19. इन्द्रेश यादव, देवरिया, 20. आनन्द प्रकाश, बागपत, 21. रवीन्द्र प्रसाद गुप्ता, महराजगंज, 22. अजय कुमारयादव, बाराबंकी, 23. राजेश कुमार सिंह, सोनभद्र, 24. शमीम अहमद, आगरा, 25. सुरेश चन्द्र, आगरा, 26. कमलेश कुमार, मुरादाबाद, 27. संजय कुमार गुप्ता, लखनऊ, 28. सुरेन्द्र राम, संतरविदासनगर, 29. सुदर्शन कुमार चौरसिया, सुरक्षा मुख्यालय, 30. अवधेश कुमार राजपूत, रेडियो मुख्यालय, 31. पंकज कुमार, गाजीपुर, 32. अजय कुमार, बांदा, 33. नीरज वर्मा, उन्नाव, 34. चन्द्रभान, आगरा, 35. राजाराम, जौनपुर, 36. पारिक्षत, चित्रकूट, 37. अनिल कुमार मौर्या, कौशाम्बी, 38. राजेन्द्र प्रसाद, संतकबीरनगर, 39. गौरव सिंह, यूपी-112, 40. उदय प्रताप सिंह, यूपी-112, 41. शशि कुमार सिंह कुशवाहा, चन्दौली, 42. रणजीत यादव, उन्नाव।

सेवानिवृत्ति

• उ0प्र0 पुलिस रेडियो से दिसम्बर-2026 में सेवानिवृत्त (अधिवर्षता आयु पूर्ण कर/ऐच्छिक) हुए निम्न 22 कार्मिकों को ससम्मान विदाई दी गयी- 1. रेडियो निरीक्षक, जयशंकर द्विवेदी, कुशीनगर, 2. रेडियो निरीक्षक, बद्री प्रसाद चतुर्वेदी, बाराबंकी, 3. रेडियो निरीक्षक, प्रमोद कुमार, एटा, 4. रेडियो निरीक्षक, राज कुमार, बलरामपुर, 5. रेडियो उपनिरीक्षक, हरिशंकर राय, सोनभद्र, 6. रेडियो उपनिरीक्षक, राजेन्द्र प्रसाद, कुशीनगर, 7. रेडियो उपनिरीक्षक, मदन मोहन, संतकबीरनगर, 8. रेडियो उपनिरीक्षक, अजय कुमार राय, लखनऊ, 9. रेडियो उपनिरीक्षक, रघुनाथ सिंह चौहान, आगरा, 10. रेडियो उपनिरीक्षक, ओंकार सिंह, अयोध्या, 11. रेडियो उपनिरीक्षक, राजेश्वर लाल श्रीवास्तव, बाराबंकी, 12. रेडियो उपनिरीक्षक, राजीव कुमार अरूण, इटावा, 13. रेडियो उपनिरीक्षक, सेवानाथ, सीतापुर, 14. रेडियो उपनिरीक्षक, शशिभूषण, श्रावस्ती, 15. प्रधान परिचालक यान्त्रिक, धर्मसिंह, मेरठ, 16. प्रधान परिचालक यान्त्रिक, राजवीर सिंह, फतेहगढ़, 17. प्रधान परिचालक यान्त्रिक, विनय कुमार यादव, गाजीपुर, 18. प्रधान परिचालक यान्त्रिक, सुरेश चन्द्र, कानपुर देहात, 19. संदेशवाहक, कलावती रैकवार, बांदा, 20. संदेशवाहक, विनोद कुमार सिंह, सीतापुर, 21. संदेशवाहक, गिरीश चन्द्र, मेरठ एवं 22. मेस फालोवर, कुसमावती।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 का नववर्ष सन्देश

राजीव कृष्ण
आई.पी.एस.

पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश
पुलिस मुख्यालय (सिग्नेचर बिल्डिंग)
गोमती नगर विस्तार, लखनऊ

नववर्ष संदेश–2026

प्रिय साथियों,

नववर्ष का नवप्रभात आप सभी के जीवन में स्वास्थ्य, संतुलन और स्थिरता तथा आपके कर्तव्य में साहस, संयम और सफलता लेकर आए–इसी मंगलकामना के साथ मैं उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारजनों को हृदय से शुभकामनाएं देता हूँ।

बीता वर्ष आपके कर्तव्य, कठिनाई और कर्मठता की कसौटी रहा। दिन–रात, धूप–धूल और दबाव के बीच आपने कानून का इकबाल, संविधान की कसौटी और जनता के भरोसे को अक्षुण्ण रखा। यही वह पुलिसिंग है, जो केवल कार्रवाई नहीं, बल्कि आचरण, अनुशासन और उत्तरदायित्व से पहचानी जाती है।

आपकी वर्दी ने केवल शक्ति नहीं दिखाई, उसने संवेदनशीलता भी दिखाई। उसने केवल अनुशासन नहीं दिखाया, उसने आत्मसंयम भी दिखाया। यही वह संतुलन है, जो एक पुलिस बल को सशक्त भी बनाता है और स्वीकार्य भी।

साथियों,

नववर्ष हमें यह स्मरण कराता है कि वर्दी केवल पहचान नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व की घोषणा है। हमारा हर शब्द, हर दृष्टि और हर निर्णय जनता के मन में विश्वास भी बो सकता है और संदेह भी। वर्दी में बैठा व्यक्ति केवल कानून का प्रतिनिधि नहीं होता; वह शासन की संवेदनशीलता और राज्य की आत्मा का परिचायक होता है।

जब आधी रात किसी वृद्ध का फोन आता है, जब कोई बहन भय के बीच थाने का दरवाज़ा खटखटाती है, या जब कोई गरीब, असहाय नागरिक न्याय की आशा लेकर हमारी ओर देखता है–तब हम उनके लिए कोई पदनाम नहीं होते; हम उनके संकट की अंतिम उम्मीद होते हैं। उस क्षण हमारा व्यवहार ही तय करता है कि राज्य उनके साथ खड़ा है या उनसे दूर। यही हमारी जिम्मेदारी की सबसे बड़ी कसौटी है और यही हमारे पेशे का सबसे बड़ा गौरव।

इसीलिए हमारे आचरण में पारदर्शिता, हमारी भाषा में मर्यादा और हमारे निर्णयों में मानवीय विवेक स्पष्ट दिखाई देना चाहिए। कानून का पालन कराना हमारा कर्तव्य है, लेकिन उस प्रक्रिया में मानवीय गरिमा की रक्षा करना हमारी नैतिक अनिवार्यता है। क्योंकि सुरक्षा तभी संपूर्ण होती है, जब उसके साथ संवेदना भी जुड़ी हो।

प्रिय साथियों,

उत्तर प्रदेश पुलिस की वास्तविक शक्ति उसकी संख्या, हथियार या तकनीक नहीं, बल्कि उसका सामूहिक मनोबल है। एक व्यक्ति साहस दिखा सकता है, पर एकजुट टीम इतिहास बदल सकती है। जब अलग–अलग वर्दियाँ एक ही उद्देश्य के लिए खड़ी होती हैं, तब पुलिस बल केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि विश्वास की संस्था बन जाता है।

हर सहकर्मी हमारा प्रतिस्पर्धी नहीं, हमारा पूरक है। एक–दूसरे के प्रयासों को पहचानना, कठिन समय में चुपचाप साथ खड़े रहना और बिना कहे बोझ बाँटना–यही वह अदृश्य डोर है, जो किसी बल को भीतर से मजबूत बनाती है। थका हुआ जवान, दबाव में अधिकारी या असमंजस में खड़ा सिपाही–सबसे पहले अपने साथी से ही संबल पाता है। यही संबल कार्यक्षमता को ऊर्जा और मनोबल को स्थिरता देता है।

जब वरिष्ठों का अनुभव युवाओं की ऊर्जा से जुड़ता है, तब केवल योजनाएँ नहीं बनतीं–समाधान पैदा होते हैं। अनुभव दिशा देता है और युवा जोश उस दिशा को गति देता है। यही संतुलन पुलिसिंग को आज के लिए सक्षम और कल के लिए तैयार बनाता है। सीखते रहने की आदत, मिलकर काम करने की संस्कृति और आपसी भरोसा–यही वे मूल्य हैं, जो किसी भी पुलिस बल को साधारण से विशिष्ट बनाते हैं।

साथियों,

आज अपराध की दुनिया बदल चुकी है। अपराधी केवल गलियों में नहीं, नेटवर्क में सक्रिय हैं। वे केवल हथियारों से नहीं, एल्गोरिद्म से भी वार कर रहे हैं। ऐसे समय में तकनीक हमारे लिए चुनौती नहीं, हमारा सबसे विश्वसनीय साथी होनी चाहिए।

साइबर सुरक्षा, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत तकनीकी साधन–ये केवल उपकरण नहीं, आधुनिक पुलिसिंग की दृष्टि हैं। जब हम इनका विवेकपूर्ण और जिम्मेदार उपयोग करते हैं, तब हम केवल अपराध का पीछा नहीं करते, बल्कि उसके जन्म से पहले ही उसे पहचानने लगते हैं। यही वह सोच है, जो हमें अपराध के बाद की कार्रवाई से आगे बढ़ाकर अपराध से पहले की रोकथाम की ओर ले जाती है। यह वही मार्ग है, जो उत्तर प्रदेश को अपराधियों के लिए जोखिमपूर्ण और अपराध के लिए अलाभकारी बना रहा है।

तकनीक के साथ प्रशिक्षण का सतत नवीकरण और नवाचार के प्रति खुला दृष्टिकोण–इन्हीं से हम पारंपरिक पुलिसिंग और आधुनिक रणनीतियों के बीच संतुलित सेतु बना पाएंगे।

उत्तर प्रदेश पुलिस में 60,244 नव–भर्ती आरक्षियों का आगमन हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक शक्ति–वृद्धि है। प्रशिक्षण पूर्ण कर जब ये आरक्षी प्रदेश के थानों में तैनात होंगे, तो प्रति थाना लगभग 30/40 आरक्षियों की यह नई ऊर्जा हमारी कार्यक्षमता, त्वरित पुलिसिंग और जन–विश्वास को नई गति देगी। परंतु यह "संख्या" भर नहीं है। यह "जिम्मेदारी" भी है। मैं समस्त थानाध्यक्षों से अपेक्षा करता हूँ कि आप इन नव–प्रशिक्षित साथियों को केवल ड्यूटी का हिस्सा नहीं, बल्कि संगठन की धरोहर समझें: उन्हें सही मार्गदर्शन दें, कार्य–संस्कृति सिखाएँ, कानून–सम्मत एवं संवेदनशील आचरण की आदतें मजबूत करें, और मैदान की वास्तविक चुनौतियों के लिए चरणबद्ध रूप से तैयार करें। साथ ही, सभी कर्मियों के कल्याण–आवास/ भोजन/स्वास्थ्य, तनाव–प्रबंधन और सम्मानजनक कार्य–परिस्थितियों–पर विशेष ध्यान दें, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ, अनुशासन में रहकर, जन–सेवा को अपना सर्वोच्च धर्म मानते हुए कार्य करें। हमें याद रखना होगा: एक सक्षम पुलिस बल का निर्माण सिर्फ़ संख्या–वृद्धि से नहीं, निरंतर 'ग्रूमिंग', 'मेंटोरिंग' और 'केयर' से होता है–और यही हमारे नेतृत्व की असली कसौटी है।

मैं साइबर अपराध की रोकथाम में आरक्षियों को "पहली ढाल" मानता हूँ। थाना/क्षेत्र स्तर पर आप प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता हैं–साइबर शिकायत मिलते ही त्वरित संज्ञान, आवश्यक प्राथमिक जानकारी, डिजिटल साक्ष्य का सुरक्षित संरक्षण और संबंधित साइबर इकाई को तुरंत अग्रेषण आपकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

बीट स्तर पर आपकी एक और बड़ी भूमिका है–जन–जागरूकता: नागरिकों को बताइए कि OTP/पासवर्ड/UPI PIN/KYC कभी साझा न करें, संदिग्ध लिंक/कॉल/क्यूआर से सतर्क रहें, और जरूरत पड़ते ही 1930 पर कॉल करें तथा NCRP पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

मैं चाहता हूँ कि आप "यक्ष ऐप" को सिर्फ एक तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि अपनी बीट पुलिसिंग का दैनिक अनुशासन बनाएं। यह ऐप पारंपरिक बीट–बुक की जटिलता को डिजिटल बीट–बुक में बदलकर आपके काम को सरल, तेज और अधिक प्रभावी करेगा। मेरी आपसे अपेक्षा है कि आप अपने क्षेत्र से जुड़ी अपराधियों/वांछितों की गतिविधियाँ, संदिग्ध व्यक्तियों व घटनाक्रम, तथा कानून–व्यवस्था से संबंधित इनपुट को समय पर और रियल–टाइम अपडेट करें–क्योंकि पुलिसिंग में सही सूचना जितनी जल्दी आएगी, उतनी जल्दी रोकथाम और कार्रवाई होगी।

मैं यह भी स्पष्ट करता हूँ कि "यक्ष ऐप" पर दर्ज प्रत्येक सूचना सटीक, सत्यापित और जिम्मेदारी के साथ होनी चाहिए। आपका नियमित अपडेटिंग और फीडबैक बीट स्तर पर निगरानी को मजबूत करेगा, अपराधियों की गतिविधियों का सतत ट्रैक बनेगा, और वरिष्ठ अधिकारियों तक अद्यतन स्थिति तुरंत पहुँचती रहेगी। मैं चाहता हूँ कि आप इस ऐप के माध्यम से सजग, जवाबदेह और तकनीक–सक्षम पुलिसकर्मी के रूप में अपनी पहचान मजबूत करें–ताकि आपकी ड्यूटी अधिक परिणामोन्मुख बने और जनता का भरोसा और भी पुख्ता हो।

मैं अपने सभी आरक्षियों और थाना प्रभारियों से यह भी अपेक्षा करता हूँ कि आप वर्दी के साथ संवेदनशीलता और सहानुभूति को अपना स्थायी व्यवहार बनाएं। थाने पर आने वाला हर नागरिक कोई "फाइल" नहीं–वह किसी समस्या, डर, नुकसान या उम्मीद के साथ आता है। आपकी नरम भाषा, धैर्य से सुनी गई बात और सम्मानजनक व्यवहार कई बार आधा समाधान बन जाते हैं। याद रखिए–कानून का पालन कराते हुए भी हम इंसानियत नहीं छोड़ते; और जब पुलिस सख्ती के साथ संवेदना दिखाती है, तभी जनता का भरोसा सबसे मजबूत होता है।

नववर्ष में हमें यही संकल्प लेना है कि हम संवेदनशील भी रहेंगे, संगठित भी रहेंगे; तकनीकी भी बनेंगे और मानवीय भी। क्योंकि जब विवेक, विज्ञान और संवेदना एक साथ चलते हैं, तभी पुलिसिंग सच्चे अर्थों में जन–सेवा बनती है।

प्रिय साथियों,

हम दूसरों की सुरक्षा करते हैं, लेकिन हमें अपनी मानसिक और भावनात्मक सेहत का भी ध्यान रखना होगा। तनाव, थकान और निरंतर दबाव–ये हमारे पेशे की वास्तविकताएँ हैं।

इसलिए एक–दूसरे से संवाद करें, सहयोग मांगने में संकोच न करें और अपने परिवारों के साथ समय बिताएँ।

आपके परिवारजन आपकी ड्यूटी के मौन साझेदार हैं। उनका त्याग, धैर्य और समर्थन हमारी सेवा की नींव है। उनके प्रति कृतज्ञता और सम्मान भी हमारी जिम्मेदारी है।

साथियों,

नववर्ष केवल तिथि का परिवर्तन नहीं होता; यह दृष्टि, दिशा और दायित्व के नवीकरण का अवसर होता है। इस नए वर्ष में हमारा संकल्प स्पष्ट और दृढ़ होना चाहिए कि हम तकनीक को केवल उपकरण नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश पुलिस की नई चेतना बनाएंगे। हम सीखेंगे, स्वयं को निरंतर अपडेट करेंगे और आधुनिक साधनों का उपयोग पूरी संवेदनशीलता और नैतिकता के साथ करेंगे।

हम यह संकल्प लें कि हमारी पुलिसिंग प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूर्वानुमान, रोकथाम और परिणाम की ओर अग्रसर होगी। हम ऐसे प्रहरी बनेंगे, जो अपराध के घटित होने की प्रतीक्षा नहीं करते, बल्कि उसे जन्म लेने से पहले ही रोक देते हैं।

इसी प्रतिबद्धता के साथ हम उत्तर प्रदेश को ऐसा राज्य बनाएंगे, जहाँ अपराधियों के लिए हर कदम जोखिमभरा हो और अपराध का हर प्रयास असफल।

नए वर्ष में तकनीक, टीमवर्क और मानवीय विवेक–तीनों के समन्वय से हम उत्तर प्रदेश पुलिस को और अधिक सक्षम, भरोसेमंद और भविष्य–सजग बनाएंगे। यही हमारा संकल्प हो, यही हमारी दिशा हो और यही हमारी पहचान बने।

आप सभी मेरे लिए केवल सहकर्मी नहीं, बल्कि मेरा गर्व हैं। भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का नेतृत्व करने का सौभाग्य मुझे गर्व से भर देता है।

मेरी हार्दिक कामना है कि मेरे उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार के लिए यह नया वर्ष आनंदमय, शांतिमय, सुखमय, आरोग्यमय और सर्वथा मंगलमय सिद्ध हो।

जय हिन्द।

(राजीव कृष्ण)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश

लेखन, सम्पादन एवं डिज़ाइन: श्री सत्य प्रकाश सिंह, महानिरीक्षक/निदेशक, पुलिस दूरसंचार, उ0प्र0
डिज़ाइन सहयोग: श्री अजय कुमार सोनकर, रेडियो उपनिरीक्षक